25 फरवरी, 2021

मेघालय विधान सभा में संबोधन

- आज मेघालय की विधान सभा में आप सभी माननीय सदस्यों से मिल कर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। **नॉर्थ ईस्ट व मेघालय** की यह मेरी पहली यात्रा है।

- ''बादलों का घर'' कहे जाने वाले मेघालय का सौंदर्य अनुपम है। मेघालय North-East का ही नहीं बल्कि भारत के सबसे सुन्दर राज्यों में शामिल है। ऐसे मनोरम प्रदेश में आज इस विशिष्ट अवसर पर मैं आप सबका अभिनन्दन करता हूं।

- अभी कुछ ही दिन पहले आपने राज्य की स्थापना की 49वीं सालगिरह मनाई है। अगले वर्ष जनवरी में मेघालय राज्य की स्थापना की स्वर्ण जयंती है। इस अवसर पर मैं आप सबको बहुत-बहुत बधाई और अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं।

- मेघालय आने पर स्वर्गीय पी.ए. संगमा का स्मरण होना स्वाभाविक है। उनकी जीवन गाथा बहुत प्रेरक है।

- आप सभी जानते हैं कि उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री और लोकसभा के अध्यक्ष के उच्च पदों तक पहुंचकर महान उपलब्धियां हासिल कीं।

- संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक परम्पराओं को सशक्त बनाने में उनका अभूतपूर्व योगदान रहा। यह हमारे लिए गर्व की बात है। उनके आदर्श से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

- साथियो, हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। हमारे गांवों में हजारों वर्षों से लोकतांत्रिक भागीदारी की समृद्ध विरासत है।

- भारत ने पूरी दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् लोकतंत्र की यही गौरवशाली परंपरा आधुनिक भारत के निर्माण का आधार बनी।

- हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि पूरी दुनिया में यदि आज लोकतंत्र का प्रसार हो रहा है, तो इसके पीछे कहीं-न-कहीं भारत के महान लोकतंत्र की अग्रणी भूमिका है।

- साथियो, संसद, विधानसभा अथवा स्थानीय निकायों जैसी हमारी प्रतिनिधि संस्थाएं लोकतंत्र का मंदिर हैं, जहां जनप्रतिनिधि, जनता की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

- अतः यह आवश्यक है कि संसद, विधानसभा और स्थानीय निकाय, चाहे वह Autonomous District Council के रूप में हो अथवा पंचायतों के रूप में हो, यह सभी लोकतांत्रिक संस्थाएं आपसी समन्वय और सहभागिता से कार्य करें ताकि जनता के प्रति हमारी सामूहिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

- हम जो भी कार्य करें, इसी भावना से करें और जनता के लिए समर्पित होकर करें। लोकतंत्र की अवधारणा तभी सफल हो सकती है, जब हमारे कार्यों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक का भला हो सके।

- इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें प्रतिनिधि संस्थाओं में चर्चा, संवाद और सार्थक वाद-विवाद को प्रोत्साहित करना होगा।

- चर्चा में विरोध हो सकता है, लेकिन गतिरोध नहीं होना चाहिए। हम जो भी मंथन करें उससे निकलने वाले अमृत से देश की जनता का कल्याण हो।

- साथियो, वैश्विक महामारी कोरोना ने सरकारों के साथ-साथ विधायी संस्थाओं के लिए भी नयी चुनौतियां प्रस्तुत की हैं। परन्तु चुनौतीपूर्ण समय में हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

- जब जनता के ऊपर विपत्ति आती है, चाहे वे किसी भी प्रकार की हो, तो वे सबसे पहले अपने विधायकों और सांसदों से आशा करते हैं कि वे उनकी समस्याओं का हल निकालेंगे।

- कोरोना के समय भी संसद के साथ-साथ सभी विधान सभाओं ने आपसी सहभागिता के साथ काम किया और सरकार के प्रयासों में अपना सहयोग दिया। मुझे प्रसन्नता है कि हम सबके सामूहिक प्रयासों से हमने इस चुनौती का मुकाबला किया।

- दरअसल यही सामूहिकता हमें शक्ति प्रदान करती है। हमें अपने सामूहिक प्रयासों को और सशक्त करना चाहिए, उन्हें और प्रभावी बनाने का प्रयास करना चाहिए।

- कोरोना के समय हमने संसद का सत्र आयोजित किया और अपने कार्यों के माध्यम से जनता में एक सकारात्मक सन्देश भी दिया है।

- आपकी विधान सभा ने भी कोरोना के बावजूद नवम्बर में अपना सत्र आयोजित किया था और जनता की आशाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने का सार्थक प्रयास किया था। यह दिखाता है कि हमारी विधायी संस्थाएं अपने संवैधानिक दायित्वों को गंभीरता से पूरा कर रही हैं।

- साथियो, लोकतंत्र तभी सशक्त हो सकता है जब सभी संवैधानिक संस्थाएं अपने संविधान प्रदत्त क्षेत्राधिकारों के अंदर रहकर आपसी सहयोग और सामूहिकता के साथ कार्य करें। सभी संस्थाएं एक दूसरे की पूरक हों।

- आपको याद होगा कि गत वर्ष 25-26 नवम्बर, 2021 को केवड़िया, गुजरात में पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में इस विषय पर व्यापक चर्चा की गयी थी। अब हम उस सम्मेलन में लिए गए संकल्पों और निर्णयों को क्रियान्वित कर रहे हैं।

- उसी सम्मेलन में 26 नवम्बर को हम सबने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की विशाल प्रतिमा Statue of Unity के समीप संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया था तथा यह संकल्प भी लिया था कि हम पूरे देश में संविधान के बारे में, विशेषकर युवा वर्ग में, जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

- इसके पीछे हमारा उद्देश्य है कि हमारे युवा अपने संवैधानिक कर्त्तव्यों और दायित्वों के प्रति संकल्पित हों।

- हमारे लिए Nation First होना चाहिए और हमारा हर कार्य इसी भावना से प्रेरित होना चाहिए। एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण तभी हो पायेगा।

- साथियो, विश्व में आज सूचना और संचार के साधनों का अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है। हर क्षेत्र में ICT के उपयोग से कार्य शीघ्र और सुगमता पूर्वक हो रहे हैं। कोरोना ने इनके उपयोग को और अधिक जरूरी बना दिया है।

- संसद के कार्यकरण में ई-पार्लियामेंट और ई-ऑफिस जैसे ICT के अधिकाधिक प्रयोग ने संसद सदस्यों को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने में सहायता प्रदान की है।

- मुझे विश्वास है कि संसद एवं राज्य विधान सभाओं में वर्चुअल प्लेटफॉर्म, ई-नोटिस, सदस्य पोर्टल तथा ऐसी अन्य सुविधाओं का प्रयोग करने से Digital Divide को दूर करके ''People Centric, Sustainable और Development Oriented'' समाज निर्मित किया जा सकेगा।

- हमारी विधायी संस्थाएं कार्यपालिका की जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न संसदीय प्रक्रियाओं का प्रयोग करती हैं। Question Hour, Zero Hour आदि संसदीय प्रक्रियायें जनता की समस्याओं के समाधान निकालने की उत्तम पद्धतियां हैं।

- आपने अपने विधानसभा के नियम-प्रक्रियाओं में शून्यकाल को भी स्थान देकर सराहनीय पहल की है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं। आपकी विधान सभा की जो परंपराएं हैं और आपने जो नए प्रयोग किए हैं, उन्हें सबके साथ साझा करें ताकि देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं एक दूसरे के Best Practices को अपना सकें।

- संसद में भी महिला, युवा और नए सांसदों को संसदीय परंपराओं और परिपाटियों से अवगत कराना मेरी पहली प्राथमिकता रहती है।

- मैं सभा में होने वाले वाद-विवादों और चर्चाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी को हमेशा बढ़ावा देता हूँ।

- संसद में की जाने वाली चर्चाओं को रचनात्मक बनाने के लिए माननीय सदस्यों का Capacity Building सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

- विभिन्न विषयों के सम्बन्ध में उनके प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से लोक सभा में नए प्रयोग किये जा रहे हैं। **इसी क्रम में जनवरी माह में माननीय सदस्यों के लिए एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें पद्म पुरस्कारों से सम्मानित विशेषज्ञों ने विभिन्न सामाजिक और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों से संबंधित अपने अनुभव साझा किये।**

- साथ ही, माननीय सदस्यों के लिए लोकसभा में लाये जाने वाले विधेयकों पर Briefing Sessions भी नियमित रूप से आयोजित किये जा रहे हैं।

- मेरा सुझाव है कि इस प्रकार के कार्यक्रम विधान सभाओं में भी आयोजित किये जाएँ, ताकि विभिन्न विषयों पर सारगर्भित और रचनात्मक चर्चा सुनिश्चित की जा सके।

- साथियो, वर्तमान बजट सत्र से हमने संसद में PRISM नाम से एक नई शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत सांसदों को चौबीसों घंटे Parliamentary Research और Information Support प्रदान की जा रही है।

- मैं चाहता हूं कि आप विधानसभा में भी ऐसी ही Modern Research Wing की स्थापना करें जो माननीय सदस्यों को सहयोग प्रदान करने के लिए निरंतर तत्पर रहे। इस प्रकार की Research Wing की स्थापना के लिए हम आपको हरसंभव सहयोग प्रदान करने को तैयार हैं।

- मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2019 में सभी राज्यों की विधान सभाओं के सदस्यों तथा विधान परिषद के सदस्यों को Parliament Library की सदस्यता प्रदान की गई थी। इस नाते आप Parliament Library के संसाधनों का पूरा लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा आप Parliament Library की ऑनलाइन सेवा का भी लाभ उठा सकते हैं। मैं आशा करता हूं कि आप सभी इन सुविधाओं का अच्छा उपयोग कर रहे होंगे।

- **NeVA (नेशनल ई विधान एप्लीकेशन) के माध्यम से हम संसद और विधान मंडलों के सदनों की कार्यवाहियों और डिबेट्स को एक प्लेटफार्म पर लाने का प्रयास कर रहे हैं।**

- साथियो, विधायी संस्था के सदस्यों के रूप में आपके ऊपर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमें अपने क्षेत्र की, राज्य की और देश की प्रगति के लिए सामूहिक प्रयास करने हैं। आपका प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों में अत्यंत समृद्ध है, आपके नागरिक परिश्रमी हैं।

- **यदि हम समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य करें तो मेघालय पूरे देश को विकास और समृद्धि की नयी दिशा दिखा सकता है।**

- एक राज्य के रूप में मेघालय में समावेशी सतत् विकास के लिए आवश्यक समावेशी शासन के संस्थान मौजूद हैं। राज्य की जनता की समस्याओं के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए राज्य सरकार और Autonomous Councils को संगठित प्रयास करने चाहिए। लोकतंत्र में सभी शिकायतों का निवारण, सभी चुनौतियों से निपटने और ऐसे समाधान सुझाने की अपार शक्ति है।

- जनप्रतिनिधि होने के नाते, हमें मेघालय में और देशभर में प्रगति और विकास के एक नए युग का शुभारंभ करने के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरसंभव सहायता करने के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध होना चाहिए।

- मित्रो, महामारी से निपटने के लिए सभा के माननीय अध्यक्ष श्री मेतबाह लिंग्दोह जी के मार्गदर्शन में बनाई गई उच्च स्तरीय समिति की सफलता का विशेष रूप से उल्लेख करना आवश्यक है। सरकार और विधान मंडल के सदस्यों से मिलकर बनी इस समिति ने सहयोग की भावना का वास्तविक प्रदर्शन किया है।

- मुझे प्रसन्नता है कि मेघालय विधान सभा के नए भवन का निर्माण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और शीघ्र ही इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा।

- मेघालय विधान मंडल को लगभग पंद्रह वर्षों की प्रतीक्षा के बाद जल्दी ही अपना स्थाई विधान सभा भवन मिलने जा रहा है। इस भवन का डिज़ाइन बेहद आकर्षक है।

- मुझे विश्वास है कि आपका नया विधान सभा भवन इस मनोरम राज्य की विविधताओं और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करेगा।

- **माननीय सदस्यो, अंत में मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि राष्ट्र तथा जनता की सेवा ही हमारा प्राथमिक दायित्व है। अगर हमें भारत को समर्थ बनाना है, तो हमें देश को आत्मनिर्भर बनाना होगा।**

- इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना है, एकता की शक्ति के साथ कार्य करना है। पूर्वोत्तर भारत में क्षमता और संभावनाएं प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। अतः पूर्वोत्तर भारत देश के भावी विकास का आधार बन सकता है।

- आइये, हम सब मिलकर एक **सशक्त मेघालय, सशक्त पूर्वोत्तर और मजबूत भारत** के निर्माण का संकल्प लेते हैं। हमारा संकल्प है कि 21 वीं सदी का भारत विश्व में सबसे समृद्ध, शक्तिशाली और समर्थ हो और दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों के मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं।